Syllabus and Semester*Course Scheme*
Academic year 2023-24

M.A. – Sanskrit

Exam.-2023- 2024

UNIVERSITY OF KOTA

MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India

Website: uok.ac.in

MASTER OF ARTS

SUBJECT - SANSKRIT

SCHEME OF SEMESTER EXAMINATION, 2023-2024

Course Code : SAN 11100 T

Period per week- **06** Credit - **06**

Each Theory Paper 3 hrs. duration 100 Marks

Internal Assessment50 Marks

Total = 150 Marks

Dissertation/Thesis/Survey Report/Field work, if any 100 Marks

II Year SemesterProgramme Structure

The Master of Arts Sanskrit is a two-year course divided into four- Semesters. A Student is Required to complete 100 Credits for the completion of course and the awaed of Degree.

Year/ Semester	Serial Number, Code & Nomenclature of Paper			Duration of Exam	Teaching Hrs/ Week & Credit			Distribution of Marks			Min. Pass Marks	
	Number	Paper/Code	Nomenclature		L	P	C	Internal Assess.	Sem. Assess.	Total Marks	Internal Assess.	Sem. Assess.
II Year/ III Semester	3.1	Paper-XISAN 301	संस्कृत काव्य शास्त्र	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
II Year/ III Semester	3.2	Paper-XII SAN 302	नाटक एवं नाट्यशास्त्र	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
II Year/ III Semester	3.3	Paper-XIII **A** SAN 303	काव्य गद्य, पद्य एवं चम्पू	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
		Paper-XIII **B** SAN 303	अथवा भास I									
		Paper-XIII **C** SAN 303	अथवा कालिदासI									
II Year/ III Semester	3.4	Paper-XIV **A** SAN 304	निबन्ध, अनुवाद एवं व्याकरण I	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
		Paper-XIV **B** SAN 304	अथवा निबन्ध, अनुवाद एवं व्याकरण II									
		CHOI B02	लौकिक काव्य		2		2	50		50		20
Total					**26**	**-**	**26**	**250**	**400**	**650**		
II Year/ IV Semester	4.1	Paper-XVI SAN **401**	काव्यप्रकाश एवं ध्वन्यालोक	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
II Year/ IV Semester	4.2	Paper-XVII SAN **402**	प्रकरण एवं नाट्यशास्त्र	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
II Year/ IV Semester	4.3	Paper-XVIII **A** SAN **403**	गद्य एवं पद्य काव्य	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
		Paper-XVIII **B** SAN **403**	अथवा भास II									
		Paper-XVIII **C** SAN **403**	अथवा कालिदास II									
II Year/ IV Semester	4.4	Paper-XIX **A** SAN **404**	शास्त्रीय साहित्य, प्राचीन साहित्य एवं शिलालेख	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
		Paper-XIX **B** SAN **404**	अथवा आधुनिक संस्कृत साहित्य									
		Paper-XIX **C** SAN **404**	अथवा लघु शोध प्रबन्ध									
Total					**24**	**-**	**24**	**200**	**400**	**600**		

एम.ए. सेमेस्टर तृतीय
संस्कृत साहित्य
वर्ग (अ) साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र – संस्कृत काव्य शास्त्र
Paper Code: SAN301

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

इस खण्ड में 12 प्रश्न अनिवार्य है, यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 काव्यप्रकाश (मम्मट)– प्रथम उल्लास
इकाई 2 काव्यप्रकाश (मम्मट)– द्वितीय उल्लास
इकाई 3 काव्यप्रकाश (मम्मट)– तृतीय एवं चतुर्थ उल्लास (रसस्वरूप विमर्श)
इकाई 4 वक्रोक्तिजीवितम् (कुन्तक)– प्रथम उन्मेष
इकाई 5 काव्यशास्त्र के सम्प्रदाय

विशेष निर्देश–

खण्ड –'ब' इकाई प्रथम से कारिका की व्याख्या संस्कृत माध्यम से पूछी जाएगी।
खण्ड–'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है, यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबन्धित है। इसका अंक–विभाजन निम्न प्रकार होगा–द्वितीय तथा चतुर्थ इकाई से सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 10+10 अंक)। परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' के प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथा सम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश– 50 अंक
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य – 20 अंक
मौखिक परीक्षा/लिखित परीक्षा– विषय आधारित **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. काव्यप्रकाश (हिन्दी व्याख्या) –आचार्य विश्वेश्वर
2. काव्यप्रकाश –व्या. डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
3. संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास – डॉ पी.वी. काणे
4. संस्कृत पोइटिक्स – डॉ. एस. के. डे (संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास)
5. भारतीय साहित्यशास्त्र – आचार्य बलदेव उपाध्याय
6. भारतीय साहित्य शास्त्र की रूपरेखा – डॉ. जी.टी. देश पाण्डे
7. भारतीय साहित्य शास्त्र की रूपरेखा – डॉ भोलाशंकर व्यास
8. वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) – श्री परमेश्वरदीन पाण्डेय (सुधा संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतम्)

द्वितीयप्रश्नपत्र – नाटक एवं नाट्य शास्त्र

Paper Code : SAN – 302

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्र न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 उत्तररामचरितम् (भवभूति) 1 से 5 अंक तक
इकाई 2 उत्तररामचरितम् (भवभूति) 6 से 10 अंक तक
इकाई 3 नाट्यशास्त्र (भरत मुनि)–द्वितीय अध्याय
इकाई 4 दशरूपकम् (धनंजय) – प्रथम प्रकाश
इकाई 5 दशरूपकम् (धनंजय) – द्वितीय प्रकाश

विशेष निर्देश

खण्ड –'ब' इकाई प्रथम उत्तररामचरितम् से श्लोक की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।
खण्ड –'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है, यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबन्धित है। इसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा–तृतीय तथा चतुर्थ इकाई सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 10+10 अंक)। परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' के प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश– 50 अंक
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य –20 अंक
मौखिक परीक्षा/लिखित परीक्षा – विषय आधारित **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. उत्तररामचरितम् (हिन्दी व्याख्या) – रामनारायण बेनीमाधव
2. उत्तररामचरितम् – व्या. रमाकान्त त्रिपाठी
3. उत्तररामचरितम् – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी
4. भरत नाट्यशास्त्र – मनमोहन घोष (अंग्रेजी अनुवाद)
5. भरतनाट्यशास्त्र – डॉ ब्रजमोहन चतुर्वेदी
6. भरत नाट्य शास्त्र – डॉ पारसनाथ द्विवेदी
7. नाटयशास्त्रम् (प्रथमद्वितीययाध्यायात्मकम्) – सत्यप्रकाश शर्मा
8. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त – डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी
9. संस्कृत नाटयकोश – रामसागर त्रिपाठी
10. भारतीय नाटय परम्परा और अभिनयदर्पण – वाचस्पति गैरोला
11. नाटय शास्त्रीय पारिभाषिक शब्दानुक्रमणिका – राम जी उपाध्याय
12. नाटयशास्त्रीयानुसन्धानम् –रामजी उपाध्याय
13. दशरूपक धनंजय – भोलाशंकर व्यास
14. दशरूपक (नान्दीटीका) – डॉ रामजी उपाध्याय
15. दशरूपक – संपादक रमाशंकर त्रिपाठी

तृतीय प्रश्न पत्र–वर्ग (अ)–साहित्य
(1)काव्य गद्य, पद्य एवं चम्पू
Paper Code : SAN – 303

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है,यह व्याख्यात्मक प्र न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 कादम्बरी (बाणभट्ट) – महाश्वेता वृत्तांत
इकाई 2 शिशुपालवधम् (माघ)– प्रथम सर्ग 1–36
इकाई 3 शिशुपालवधम् (माघ)– प्रथम सर्ग 37–75
इकाई 4 नलचम्पू (त्रिविक्रम भट्ट)– प्रथम उच्छ्वास 1–32
इकाई 5 नलचम्पू (त्रिविक्रम भट्ट)– प्रथम उच्छ्वास 33–63

विशेष निर्देश

खण्ड –'ब' इकाई द्वितीय शिशुपालवधम् में से श्लोकों की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।
खण्ड –'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है, यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबन्धित है। इसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा–प्रथम तथा चतुर्थ इकाई से सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 10+10 अंक)। परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' के प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश– 50 अंक
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य –20 अंक
मौखिक परीक्षा/लिखित परीक्षा – विषय आधारित **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. कादम्बरी – डॉ कृष्णावतार वाजपेयी
2. कादम्बरी – साहित्य भण्डार मेरठ
3. कादम्बरी – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी
4. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन – वासुदेवशरण अग्रवाल
5. शिशुपालवधम् (मल्लिनाथकृत सर्वाङ्कषा व्याख्या) मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली
6. शिशुपालवधम् – (बालबोधिनी व्याख्या सहित) व्या. श्रीराम जी लाल शर्मा
7. नलचम्पू त्रिविकमभट्टकृत – धारादत्तशास्त्री प्र.मोती लाल बनारसीदास, दिल्ली
8. चम्पू काव्यों का अध्ययन – छविनाथ मिश्र

अथवा

(2) भास I

Paper Code: SAN - 303

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्
इकाई 2 अभिषेक नाटकम्
इकाई 3 पंचरात्रम्
इकाई 4 कर्णभार
इकाई 5 भास की कृतियों का सामान्य परिचय

विशेष निर्देश

खण्ड–'ब' के अन्तर्गत प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् से श्लोक की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी। **खण्ड–'स'** प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है, यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबन्धित है। इसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा–द्वितीय एवं चतुर्थ इकाई से सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 10+10 अंक)। परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' के प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश– 50 अंक
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य –20 अंक
मौखिक परीक्षा/लिखित परीक्षा – विषय आधारित **30 अंक**

अथवा

(3) कालिदास I

Paper Code : SAN - 303

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 विक्रमोर्वशीयम् 1 – 3 अंक
इकाई 2 विक्रमोर्वशीयम् 4–5 अंक
इकाई 3 रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)
इकाई 4 रघुवंशम् (पंचम सर्ग)
इकाई 5 ऋतुसंहार (ग्रीष्मऋतु एवं वर्षाऋतु वर्णन)

विशेष निर्देश

खण्ड–'ब' के अंतर्गत तृतीय इकाई से श्लोक की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।
खण्ड–'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है, यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबन्धित है। इसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा– प्रथम एवं चतुर्थ इकाई से सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 10+10)। परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' के प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश 50 अंक
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य –20 अंक
मौखिक परीक्षा/लिखित परीक्षा – विषय आधारित– **30 अंक**

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य
चतुर्थ प्रश्न पत्र –(अ) निबन्ध, अनुवाद एवं व्याकरण I

Paper Code : SAN - 304

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा।

इकाई 1 लघु सिद्धान्त कौमुदी – पूर्वकृदन्त प्रकरणम्
इकाई 2 लघु सिद्धांत कौमुदी – उत्तरकृदन्त प्रकरणम्
इकाई 3 लघु सिद्धांत कौमुदी –स्त्री प्रत्यय प्रकरणम्
इकाई 4 अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत व संस्कृत से हिन्दी)
इकाई 5 निबन्ध

विशेष निर्देश

खण्ड–'ब' चतुर्थ इकाई में पांच संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद –10 अंक तथा पंचम इकाई में पांच हिन्दी वाक्यों का संस्कृत अनुवाद–10अंक।

खण्ड–'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है, इसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा–पंचम इकाई में दस विषयों में से किसी एक पर संस्कृत भाषा में निबन्ध प्रस्तुत करना होगा तथा तृतीय इकाई से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या एवं दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि (क्रमशः 10+10)। प्रश्न संख्या 13 में पूर्व कृदन्त से चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या एवं चार पदों कीसूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि। प्रश्न संख्या 14 में उत्तरकृदन्त से चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या एवं चार पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि। प्रश्न संख्या 15 में दो हिन्दी अवतरणों में से एक का संस्कृत अनुवाद तथा अपठित संस्कृत गद्य अथवा पद्य का हिन्दी में अनुवाद करना होगा।

विस्तृत विवरण निबन्ध – वैदिक साहित्य, ललित साहित्य, भारतीय दर्शन, धर्म शास्त्र तथा आधुनिक संस्कृत साहित्य विषयों पर प्रत्येक में से दो विषयों का चयन करते हुए कुल दस विषयों में से किसी एक पर संस्कृत भाषा में निबन्ध प्रस्तुत करना होगा। अंक 10

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश 50 अंक
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य –20 अंक
मौखिक परीक्षा/लिखित परीक्षा – विषय आधारित– **30 अंक**

अथवा

चतुर्थ प्रश्न पत्र –(ब) निबन्ध, अनुवाद एवं व्याकरणII

Paper Code: SAN - 304

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा।

इकाई 1 लघु सिद्धांत कौमुदी – समास प्रकरणम्– केवल, अव्ययीभाव एवं तत्पुरूष
इकाई 2 लघु सिद्धांत कौमुदी – समास प्रकरणम्– बहुब्रीहि एवं द्वन्द्व
इकाई 3 लघु सिद्धान्त कौमुदी – तद्धित (चातुरार्थिक प्रत्यय पर्यन्त)
इकाई 4 अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत व संस्कृत से हिन्दी)
इकाई 5 निबन्ध

विशेष निर्देश

खण्ड–'ब' चतुर्थ इकाई में पांच संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद –10 अंकतथापंचम इकाई में पांचहिन्दी वाक्यों का संस्कृत अनुवाद–10अंक।

खण्ड –'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है, इसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा– पंचम इकाई से दस विषयों में से किसी एक पर संस्कृत भाषा में निबन्ध प्रस्तुत करना होगा तथा तृतीय इकाई से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या एवं दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि करनी है (क्रमशः 10+10)। प्रश्न संख्या 13 में इकाई प्रथम से चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या एवं चार पदों की सूत्रोल्लेख पूर्वक रूपसिद्धि। प्रश्न संख्या 14 में इकाई द्वितीय से चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या एवं चार पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि। प्रश्न संख्या 15 में दो हिन्दी अवतरणों में से एक का संस्कृत अनुवाद तथा अपठित संस्कृत गद्य अथवा पद्य का हिन्दी में अनुवाद करना होगा।

विस्तृत विवरण निबन्ध – वैदिक साहित्य, ललित साहित्य, भारतीय दर्शन, धर्म शास्त्र तथा आधुनिक संस्कृत साहित्य विषयों पर प्रत्येक में से दो विषयों का चयन करते हुए कुल दस विषयों में से किसी एक पर संस्कृत भाषा में निबन्ध प्रस्तुत करना होगा। 10 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश 50 अंक
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य –20 अंक
मौखिक परीक्षा/लिखित परीक्षा – विषय आधारित– **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. संस्कृत निबन्धशतकम् –डॉ कपिल देव द्विवेदी
2. संस्कृत निबन्ध पथ प्रदर्शक –वी.एस. आप्टे
3. संस्कृत व्याकरण –डॉ श्रीनिवास शास्त्री
4. संस्कृत व्याकरण –डॉ बाबूराम त्रिपाठी
5. संस्कृत व्याकरण – डा. अर्कनाथ चौधरी
6. लघु सिद्धान्त कौमुदी भैमी व्याख्या – पं. भीमसेन शास्त्री 3–6 भाग
7. लघु सिद्धान्त कौमुदी –पं. धरानन्द शास्त्री
8. लघुसिद्धांत कौमुदी –महेश सिंह कुशवाह
9. लघुसिद्धांत कौमुदी –डा. जगदीश प्रसाद कौण्डिन्य
10. वृहद्–अनुवाद चंद्रिका – चक्रधर शर्मा, नौटियाल
11. वृहद् रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
12. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकांत मिश्र
13. संस्कृत वाक्य विवेक – डॉ. हिन्द केसरी, अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
14. अनुवाद कला – चारूदेव शास्त्री।

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
(Choice Best Credit System)
पेपर CHOI B02 - लौकिक काव्य

समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 उपजीव्यकाव्य (रामायण व महाभारत)
इकाई 2 महाकाव्य (बृहत्त्रयी–किरातार्जुनीयम्, शिशुपालबधम् व नैषधीयचरितम्)
इकाई 3 नाट्य काव्य (कालिदास)
इकाई 4 गद्य काव्य (सुबन्धु, दण्डी व बाण)
इकाई 5 शतकत्रय (भर्तृहरि)

सहायक ग्रन्थ–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास –डॉ. उमाशंकर शर्मा
3. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास –डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
4. भारतीय साहित्य शास्त्र की रूपरेखा – डॉ भोलाशंकर व्यास

एम.ए. सेमेस्टर चतुर्थ
संस्कृत साहित्य
वर्ग (अ) साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र –काव्य प्रकाश एवं ध्वन्यालोक
Paper Code : SAN - **401**

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

इस खण्ड में 12 प्रश्न अनिवार्य है, यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में सेकोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक –40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 काव्यप्रकाश (मम्मट)– पंचम एवं षष्ठ उल्लास
इकाई 2 काव्यप्रकाश (मम्मट)– सप्तम (केवल रस दोष व रस दोष परिहार) उल्लास
इकाई 3 काव्यप्रकाश (मम्मट)– अष्टम उल्लास
इकाई 4 काव्यप्रकाश (मम्मट)– नवम उल्लास (वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक व श्लेष) एवं दशम उल्लास (स्वभावोक्तिपर्यन्त)
इकाई 5 ध्वन्यालोक (आनन्दवर्धनाचार्य)– प्रथम उद्योत

विशेष निर्देश–

खण्ड –'ब' इकाई प्रथम से कारिका की व्याख्या संस्कृत माध्यम से पूछी जाएगी।
खण्ड–'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है, यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबन्धित है। इसका अंक–विभाजन निम्न प्रकार होगा–इकाई द्वितीय से 2 कारिकाओं में से 1 की तथा इकाई पंचम से 2 कारिकाओं में से 1 की सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 10+10 अंक)। परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' के प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश 50 अंक
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य –20 अंक
मौखिक परीक्षा/लिखित परीक्षा – विषय आधारित– **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. काव्यप्रकाश (हिन्दी व्याख्या) –आचार्य विश्वेश्वर
2. काव्यप्रकाश –व्या. डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
3. ध्वन्यालोक (लोचन व बालप्रिया टीका सहित)–सम्पादक पं. पट्टाभिराम शास्त्री
4. ध्वन्यालोक (हिन्दी व्याख्या) –आचार्य विश्वेश्वर
5. ध्वन्यालोक (संस्कृत, हिन्दी अनुवाद व व्याख्या) – रामसागर त्रिपाठी
6. आनन्दवर्धन – डॉ. रेवा प्रसाद द्विवेदी

द्वितीय प्रश्नपत्र – नाटक एवं नाट्य शास्त्र

Paper Code: SAN - **402**

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है,यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 मृच्छकटिकम् (शूद्रक) 1 से 5 अंक तक
इकाई 2 मृच्छकटिकम् (शूद्रक) 6 से 10 अंक तक
इकाई 3 नाट्यशास्त्र (भरत मुनि)–षष्ठ अध्याय
इकाई 4 दशरूपकम् (धनंजय)– तृतीय प्रकाश
इकाई 5 दशरूपकम् (धनंजय)– चतुर्थ प्रकाश

विशेष निर्देश–

खण्ड–'ब' इकाई प्रथम मृच्छकटिकम् से श्लोक की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।
खण्ड –'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है, यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबन्धित है। इसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा–तृतीय तथा चतुर्थ इकाई से सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 10+10 अंक)। परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' के प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथा सम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश 50 अंक
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य –20 अंक
मौखिक परीक्षा/लिखित परीक्षा – विषय आधारित– **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. मृच्छकटिकम् (शूद्रक)– श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
2. भरतनाट्यशास्त्र – डॉ ब्रजमोहन चतुर्वेदी
3. भरत नाट्यशास्त्र – डॉ पारसनाथ द्विवेदी
4. नाटयशास्त्रम् (प्रथमद्वितीययाध्यायात्मकम्) – सत्यप्रकाश शर्मा
5. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त – डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी
6. नाटयशास्त्रीयानुसन्धानम् –रामजी उपाध्याय
7. दशरूपक धनंजय – भोलाशंकर व्यास
8. दशरूपक (नान्दीटीका) – डॉ रामजी उपाध्याय
9. दशरूपक –संपादक रमाशंकर त्रिपाठी

तृतीय प्रश्न पत्र–वर्ग (अ)–साहित्य
(1) गद्य एवं पद्य काव्य
Paper Code : SAN - **403**

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 नैषधीयचरितम् (श्रीहर्ष)– प्रथम सर्ग 1–72
इकाई 2 नैषधीयचरितम् (श्रीहर्ष)– प्रथम सर्ग 73–145
इकाई 3 शिवराजविजयम्, – प्रथम निश्वास
इकाई 4 शिवराजविजयम् – द्वितीय निश्वास
इकाई 5 गद्य काव्य का सामान्य परिचय

विशेष निर्देश

खण्ड–'ब' इकाई प्रथम नैषधीय चरितम् से श्लोक की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी।
खण्ड–'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है, यह व्याख्यात्मक प्र न से संबन्धित है। इसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा–द्वितीय एवं तृतीय इकाई से सप्रंसग व्याख्या (क्रमशः 10+10 अंक)। परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' के प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथा सम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश 50 अंक
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य –20 अंक
मौखिक परीक्षा/लिखित परीक्षा – विषय आधारित **30– अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. दशकुमारचरितम् – राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली
1. दशकुमारचरितम् – निरंजनदेव आयुर्वेदांलकार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नैषधीयचरितम् – निर्णय सागर, मुम्बई
3. नैषधीयचरितम् (मल्लिनाथ कृत जीवातु व्याख्या युक्त) चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
4. नैषधपरिशीलन – पं. चण्डिका प्रसाद शुक्ल
5. शिवराजविजयम् – अम्बिकादत्त व्यास

अथवा

(2) भास II

Paper Code : SAN - **403**

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 प्रतिमानाटकम्
इकाई 2 मध्यम व्यायोग
इकाई 3 बालचरितम्
इकाई 4 दूतवाक्यम्
इकाई 5 दरिद्रचारूदत्तम्

विशेष निर्देश

खण्ड–'ब' के अन्तर्गत प्रतिमानाटकम से श्लोक की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।
खण्ड–'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है, यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबन्धित है। इसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा–तृतीय एवं पंचम इकाई से सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 10+10 अंक)। परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' के प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश– 50 अंक
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य –20 अंक
मौखिक परीक्षा/लिखित परीक्षा – विषय आधारित– **30 अंक**

अथवा

(3) कालिदास II

Paper Code : SAN - **403**

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 कुमारसंभवम् (प्रथम सर्ग)
इकाई 2 कुमारसंभवम् (चतुर्थ सर्ग)
इकाई 3 रघुवंशम् (दशम सर्ग)
इकाई 4 ऋतुसंहार (वसंतऋतु एवं शरदऋतु वर्णन)
इकाई 5 कालिदास की कृतियों का सामान्य परिचय

विशेष निर्देश

खण्ड–'ब' के अंतर्गत तृतीय इकाई से श्लोक की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।
खण्ड–'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है, यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबन्धित है। इसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा–प्रथम एवं चतुर्थ इकाई से सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 10+10 अंक)। परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' के प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथा सम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश 50 अंक
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य –20 अंक
मौखिक परीक्षा/लिखित परीक्षा – विषय आधारित– **30 अंक**

(सभी वर्गों के लिए अनिवार्य)
चतुर्थ प्रश्न पत्र–शास्त्रीय साहित्य, प्राचीन साहित्य एवं शिलालेख
Paper Code : SAN - **404**

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 काव्यमीमांसा (राजशेखर)– प्रथम अध्याय
इकाई 2 शिशुपालवधम्– द्वितीय सर्ग
इकाई 3 कौटिल्य का अर्थशास्त्र– (प्रथम अधिकरण)
इकाई 4 अभिलेखमाला से अभिलेख– (रूद्रदामन् का गिरनार अभिलेख, कुमारगुप्त का मन्दसौर (दिशपुर) शिलालेख)
इकाई 5 अभिलेखमाला से अभिलेख– (समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति, स्कंदगुप्त का जूनागढ़ प्रस्तराभिलेख)

विशेष निर्देश–

खण्ड –'ब' के अंतर्गत काव्यमीमांसा से सम्बन्धित व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।
खण्ड –'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है, यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबन्धित है। इसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा–द्वितीय एवं तृतीय इकाई से सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 10+10 अंक)। परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' के प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश 50 अंक
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य –20 अंक
मौखिक परीक्षा/लिखित परीक्षा – विषय आधारित– **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. काव्यमीमांसा राजेशखर –व्या. डॉ श्री कृष्णमणि त्रिपाठी
2. काव्यमीमांसा –डॉ. रमाकान्त पाण्डेय
3. काव्यमीमांसा (हिन्दी व्याख्या)–साधना पाराशर दिल्ली
4. कौटिल्य अर्थशास्त्र – उदयवीर शास्त्री
5. कौटिल्य अर्थशास्त्र – वाचस्पति गौरोला
6. कौटिल्य अर्थशास्त्र – डॉ रघुनाथ सिंह
7. अभिलेख माला – व्याख्याकार झा बन्धु,
8. भारत के प्राचीन शिलालेख – डॉ वासुदेव उपाध्याय
9. भारत के प्राचीन शिलालेख – डॉ पी.के. मजूमदार

अथवा

चतुर्थ प्रश्न पत्र–आधुनिक संस्कृत साहित्य

Paper Code : SAN - **404**

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक– 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 पद्मिनी– प. मोहनलाल शर्मा पाण्डेयकृत (प्रथम विकास–षष्ठ विकास)
इकाई 2 पद्मिनी– प. मोहनलाल शर्मा पाण्डेयकृत (सप्तमविकास–द्वादश विकास)
इकाई 3 भीष्मचरितम्– (1 सर्ग) प्रो. हरिनारायण दीक्षित
इकाई 4 अभिनव शुकसारिका (पूर्वभाग)– प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी
इकाई 5 बीसवीं शताब्दी का संस्कृत साहित्य का सामान्य अध्ययन (राजस्थान के विशेष संदर्भ में–भट्ट मथुरानाथशास्त्री, पं. नवल किशोर कांकर, पं. गिरधर शर्मा नवरत्न, पं. श्रीराम दवे, गिरधारी लाल शर्मा, पं. गणेशराम शर्मा)।

विशेष निर्देश–

खण्ड –'ब' इकाई प्रथम पद्मिनी से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी तथा इकाई 5 से सामान्य प्रश्न पूछा जायेगा।
खण्ड –'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है, यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबन्धित है। इसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा–इकाई 3और 4 से सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 10+10 अंक)। परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' के प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश 50 अंक
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य –20 अंक
मौखिक परीक्षा/लिखित परीक्षा – विषय आधारित– **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ–

1. पद्मिनी – पं. मोहनलाल शर्मा, पाण्डेय–पाण्डेय प्रकाशन, जयपुर
2. भीष्मचरितम् – हरिनारायण दीक्षित, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
3. अभिनव भ्राुकसारिका (पूर्वभाग)–प्रो.राधावल्लभ त्रिपाठी, राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर
4. राजस्थानीयमभिनव संस्कृत साहित्यम् – खण्ड 1–5 सम्पादक– डॉ. गंगाधर भट्ट, राज. संस्कृत अकादमी जयपुर
5. राजस्थानस्याधुनिक संस्कृत कथालेखकाः–सं. पुष्कर दत्त शर्मा, राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर
6. राजस्थान के संस्कृत कृतिकार–पं. शंकरलाल शास्त्री
7. आधुनिक संस्कृत काव्य परम्परा–डॉ. केशव मूसलगांवकर
8. अभिनव संस्कृत साहित्य का इतिहास– देवर्षि कलानाथ भाास्त्री

अथवा
लघु शोघ प्रबन्ध

अर्हता –पूर्वार्द्ध परीक्षा में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त नियमित छात्र।
स्वरूप – 100 पृष्ठों से अधिक होगा तथा विभाग के किसी प्राध्यापक के निर्देशन में लिखा जाएगा।
विषयवस्तु – लघु शोध प्रबन्ध किसी प्रकाशित/अप्रकाशित ग्रन्थ का अनुवाद, कार्य, विवेचनात्मक, समालोचनात्मक व तुलनात्मक समीक्षात्मक कार्य किया जा सकेगा।
नोट – लघु शोध प्रबन्ध को तीन प्रतियों में परीक्षा तिथि से तीन सप्ताह पूर्व सम्बद्ध विभागाध्यक्ष की संस्तुति के साथ महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा।